।। गुरु मंत्र।।

डॉ. दयाराम स्वामी
एम.बी.बी.एस. एम.डी. (स्वर्णपदक)
वरिष्ठ मानसिक रोग विशेषज्ञ एवं पूर्व प्रमुख विशेषज्ञ
एस.एम.एस. हॉस्पिटल, जयपुर

दादू अविचल मंत्र, अमर मंत्र, अखै मंत्र, अभय मंत्र, राम मंत्र, निजसार।
सजीवन मंत्र, सवीरज मंत्र, सुन्दर मंत्र, शिरोमणि मंत्र, निर्मल मंत्र निराकार।।

अलख मंत्र, अकल मंत्र, अगाध मंत्र, त्रपार मंत्र, अनन्त मंत्र राया।
नूर मंत्र, तेज मंत्र, ज्योतिमंत्र, प्रकाश मंत्र, परम मंत्र पाया।। उपदेशदीक्षा, (दादूगुरु राया)।।

जो साधक उक्त अविचल मंत्र को अर्थ भावना करते हुए जप करते हैं। वे कल्याण को प्राप्त होते हैं। संत समुदाय में गुरु मंत्र का बहुत महत्व है। गुरु दीक्षा के रूप में अपने शिष्यों को गुरु मंत्र प्रदान करते हैं। जो साधना करने पर सर्व सिद्धीदात्री मंत्र है।